जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 230 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 22 जून, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बांग्लादेश के समुद्र तटों पर इस वर्ष नैस्टिंग सीजन में ऑलिव रिडली टर्टल ने रिकॉर्ड संख्या में अण्डे दिए हैं और इसका श्रेय जाता है संरक्षण प्रयासों को। नेचर कंज़र्वेशन मैनेजमैंट (एन.ए.सी.ओ.एम.) नाम के एक एन.जी.ओ. ने एक सर्वे में तटवर्ती जिले कॉक्स'ज़ बाजार के तीन द्वीपों, पचार, शिलकली और शाहजरी में 58 स्थानों पर 7508 अण्डे देखे। सन् 2022 की तुलना में यह 30 प्रतिशत वृद्धि है, जब 54 स्थानों पर 5763 अंडे मिले थे और इससे पहले 2021 में 4713 अंडे मिले थे। सी टर्टल की कुल 7 प्रजातियों में से 5 बांग्लादेश के समुद्री क्षेत्र में मिलती हैं, इनमें से पांच, ऑलिव रिडली टर्टल, ग्रीन टर्टल, हॉक्सबिल टर्टल, लॉगरहैड टर्टल एवं लैदरबैक टर्टल बांग्लादेश के समुद्र में पाए जाते हैं लेकिन पहली तीन टर्टल प्रजातियाँ ही बांग्लादेश के तटों पर अंडे देने आती हैं। एन.ए.सी.ओ.एम. के डिप्टी प्रोजैक्ट डायरैक्टर शफीक रहमान ने कहा कि, ऑलिव रिडली के अंडों में वृद्धि के कई कारणों में प्रमुख हैं, सरकार, एन.जी.ओ. तथा स्थानीय लोगों व स्वयंसेवकों के प्रयास। एक जागरुकता अभियान में तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों को बताया गया कि, टर्टल को प्रजनन के लिए सुरक्षित जगह देना कितना जरुरी है। आई.यू.सी.एन. (इन्टरनैशनल यूनियन फॉर द कंज़र्वेशन ऑफ नेचर) की रैड लिस्ट में ये कछुए ''वल्नरेबल'' वर्ग में रखे गए हैं। कॉक्स'ज़ बाजार क्षेत्र में वयस्क मादा टर्टल रात के अंधेरे में आकर तट पर अंडे देती है। नवम्बर से अप्रैल के बीच अंडों से बच्चे निकल आते हैं। सरकार ने टर्टल को सुरक्षा देने के कई प्रयास किए हैं और इसके लिए कॉक्स'ज़ बाजार क्षेत्र में 5 संरक्षण केन्द्र बनाए गए हैं। तट पर नैस्टिंग क्षेत्र सैटअप किए गए हैं, ताकि मादा आराम से उनमें अंडे दे सके। वर्ष 2015 में बंगलादेश सरकार ने कन्वैन्शन ऑन बायलॉजिकल डायवर्सिटी को दी गई नैशनल रिपोर्ट में बताया था कि, विकास कार्यों व यातायात बढ़ने के कारण रिडली के नैस्टिंग क्षेत्र नष्ट हो रहे हैं। इसके अलावा फिशिंग नैट में फंसकर भी टर्टल मर रहे हैं। बांग्लादेश सरकार ने हालिया वर्षों में कई ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय संधि समझौते किए हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से मरीन टर्टल्स को प्रभावित करेंगे।

इस बार ''बैक पेन'' व हाई ''ब्लड प्रेशर'' ने गहलोत की राहुल से मिलने की चेष्टा निष्फल की!

राहुल गांधी 21 जून को विदेश यात्रा से दिल्ली लौट आये तथा गहलोत को पूर्व घोषित प्रोग्राम के अनुसार बुधवार को दिल्ली जाना था, राहुल से मुलाकात करने

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जून। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलात को जोधपुर प्रवास के दौरान हाई ब्लड प्रैशर तथा पीठ-दर्द की शिकायत हो गई है। इस कारण वे दिल्ली नहीं आ सके, जैसा कि उनका मूल कार्यक्रम था।

गहलोत गांधी परिवार से सम्पर्क करने की कोशिश करते आ रहे हैं लेकिन सम्पर्क नहीं हो सका है। सूत्रों का कहना है कि वे एक बार और अपनी किस्मत आजमाना चाहते थे लेकिन स्वास्थ्य की गड़बड़ी ने उन्हें कुछ समय के लिये रोक दिया है।

राहुल गांधी, जो विदेश गये हुये थे, आज दिल्ली लौट आये हैं तथा ऐसी अपेक्षा है कि जब से और खड़गे विपक्षी नेताओं की मीटिंग में भाग लेने के लिये पटना जायेंगे, उसके अगले कुछ दिनों में ही राजस्थान की उलझन सुलझ जायेगी। अंतिम निर्णय लेने से पहले होने वाली चर्चा तो पटना यात्रा में कम से कम शुरु हो ही जायेगी।

- **प्राप्त जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ पटना जायेंगे, 23 तारीख को विपक्ष के नेताओं का बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा सम्मेलन आयोजित किया है।**
- **पटना से लौटने के बाद, राजस्थान के मसले पर फोकस करेगा हाई कमान।**
- **फिलहाल प्रभारी रंधावा की स्थिति काफी अटपटी है। मु.मंत्री व प्रदेशाध्यक्ष द्वारा तैयार की गयी 85 सचिवों की सूची उन्होंने जारी कर दी थी। लिस्ट में अधिकतर वे लोग शामिल थे, जो ज्यादा जाने-माने तो नहीं, पर लगातार पायलट के खिलाफ बोलते रहे हैं या ट्वीट करते रहे हैं।**
- **जैसा कि अपेक्षित ही था, हाई कमान ने इस एक तरफा सूची को रद्द करवा दिया और अब नयी सूची राजस्थान का मसला सुलझ जाने के बाद ही जारी होगी।**
- **हाई कमान भी राजस्थान के मसले को जल्दी सुलझाने के बोर में काफी गंभीर है, क्योंकि समय हाथ से निकलता जा रहा है तथा सचिन पायलट वसुंधरा राजे के खिलाफ कार्यवाही करवाने के बारे में और अन्य तीन शर्तों की पूर्ती के बारे में समझौता करने के लिये तैयार नहीं लगते।**

ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा राजस्थान प्रभारी रंधावा इस समय संकट में हैं क्योंकि उन्होंने 85 पी.सी.सी. सचिवों की एकतरफा सूची जारी कर दी थी। इस सूची में उनके सगे भाई का नाम भी शामिल था। ज्यादातर नाम ऐसे अल्पज्ञात लोगों के थे,जो

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पवार की पार्टी में भी सत्ता संघर्ष शुरू?

अजीत पवार ने विपक्ष के नेता का पद छोड़ने का एलान किया: संगठन में जिम्मेवारी की मांग की

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जून। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि एन.सी.पी. नेता अजीत पवार ने पार्टी की सत्ता पर काबिज परिवार में सत्ता संघर्ष खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता पद की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाये। अजीत, जो भाजपा के प्रति अपनी नज़दीकी के लिये जाने जाते हैं, पार्टी संगठन मे कोई भूमिका दिये जाने के लिये भी कहा है।

अभी हाल में ही, एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र की जिम्मेदारी अपनी पुत्री सुप्रिया सुले को देते हुये, उन्हें पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था, जबकि प्रफुल्ल पटेल को पार्टी की अन्य राज्यों की इकाइयों की जिम्मेदारी दी गई है और उन्हें भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।

जहाँ अजीत पवार ने इन नियुक्तियों का स्वागत किया था, वहीं ऐसी भी अटकलें हैं कि वे एन.सी.पी. के अंदर पीढ़ीगत परिवर्तनों को लेकर अप्रसन्न हैं। अजीत पवार, जिन्होंने पहले मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की भी घोषणा की थी, ने कहा बताते हैं कि विपक्ष के नेता के

- **अजीत पवार ने यह अटपटा सवाल भी उठाया कि, ''जब ममता बनर्जी, केजरीवाल, जगन मोहन रेड्डी, चन्द्रबाबू नायडू, चन्द्रशेखर राव व नीतीश कुमार अपने दम पर अपनी पार्टी को जिताकर सरकार बना सकते हैं तो, शरद पवार, जो इनमें सबसे बड़े नेता हैं, महाराष्ट्र में ऐसा क्यों नहीं कर पाते।**
- **इस बात पर मंथन व चिंतन की जरूरत भी बतायी अजीत पवार ने।**

रूप में काम करने में उनकी रूचि कभी नहीं रही, लेकिन पार्टी विधायकों की माँग पर उन्होंने यह भूमिका स्वीकार कर ली थी।

उन्होंने आज पार्टी के 24वें स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुये कहा, ''मुझे पार्टी संगठन में कोई भी भूमिका दे दीजिये तथा जो भी जिम्मेदारी मुझे सौंपी जायेगी, मैं उसके साथ साथ पूरा न्याय करूँगा।''

दिलचस्प बात यह है कि अजीत ने यह बात भी जोर देकर कही कि एन.सी.पी. को अपने बलबूते पर महाराष्ट्र को जीतने के लक्ष्य की दिशा में काम करना चाहिये। उन्होंने कहा, ''अगर ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल, जगन मोहन रेड्डी, एन. चंद्रबाबू नायडू, के. चन्द्रशेखर राव तथा नीतीश कुमार अपने बल पर अपने-अपने राज्यों को जीत सकते हैं।......... शरद पवार तो इन सबसे बड़े नेता हैं। एन.सी.पी. अपने बलबूते पर महाराष्ट्र क्यों नहीं जीत सकती।'' उन्होंने कहा कि अगर जरूरी लगे, तो आवश्यक परिवर्तन भी किये जाने चाहिये।''

अजीत का यह बयान एम.वी.ए. गठबंधन के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगता तो नज़र आता ही है। कुछ दिन पहले, उन्होंने शिव सेना यू.बी.टी. के प्रवक्ता संजय राउत को झिड़क दिया था। राउत ने कहा था कि एम.वी.ए. गठबंधन तब तक चलेगा, जब तक उद्धव ठाकरे चाहेंगे।

अजीत ने इसकी प्रतिक्रिया देते हुये कहा था कि राज्य में एम.वी.ए. सरकार तब बनी थी, जब तीन दल- एन.सी.पी., शिव सेना तथा कांग्रेस 2019 में संगठित हो गये थे। अजीत ने आगे कहा था, ''मेरा मानना है कि गठबंधन से संबंधित निर्णय शरद पवार, कांग्रेस अध्यक्ष के माध्यम से सोनिया गांधी तथा उद्धव ठाकरे तीनों को लेना है।''

श्री सीमेंट पर आयकर विभाग की रेड

अजमेर, 21 जून (कासं)। जयपुर आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को श्री सीमेंट के 24 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की कार्यवाही को अंजाम दिया है। यह कार्रवाई इनकम टैक्स विभाग की इन्वेस्टिगेशन टीम ने की।

- **कम्पनी के जयपुर, ब्यावर, उदयपुर, अजमेर व चित्तौड़ कार्यालय के साथ-साथ, कम्पनी से जुड़े लोगों के घर पर भी रेड की गई है। आरोप है कि कम्पनी ने मजदूरों के वेतन और कोयला खरीद में भारी फर्ज़ीवाड़ा किया है।**

जानकारी अनुसार, जयपुर, ब्यावर, उदयपुर, अजमेर और चित्तौड़गढ़ में रेड की जा रही है। इनमें कंपनी से जुड़े लोगों के घर पर भी रेड

(शेष पृष्ठ 5 पर)

टाईटैनिक का ''कर्स'' (श्राप) अभी भी कारगर है

टाईटैनिक के मलबे के नजदीक पहुंचने के प्रयास में लगी, छोटी सी ''सब'' (पनडुब्बी) भी डूबी समुद्र में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जून। शायद यह टाइटैनिक का श्राप ही है। एक छोटी टूरिस्ट पनडुब्बी, जो असल में कैप्स्यूल पनडुब्बी है, पर्यटकों को डूबे हुए विश्वविख्यात जहाज टाइटैनिक का मलबा दिखाने के लिए यह पनडुब्बी नॉर्थ एटलैंटिक गई थी और समुद्र की सतह से 13,000 फीट नीचे लापता हो गई है।

पनडुब्बी के इस हादसे पर दुनिया भर की नज़र है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन तमाम कूटनीतिक व्यस्तताओं के बावजूद भी रैस्क्यू ऑपरेशन पर नज़र रखे हुए हैं। किंग चार्ल्स भी चिंतित हैं क्योंकि पनडुब्बी में सवार एक अरबपति किंग के चैरिटी कार्यों में बड़ा दानदाता है।

अमेरिका व कैनेडा की कोस्ट गार्ड, वायु सेना और 8 प्राइवेट रैस्क्यू एवं अण्डरवॉटर टूरिज्म ऑपरेटर्स महासागर और महासागर की तलहटी में लुप्त पनडुब्बी और इसमें सवार 5 लोगों को ढूंढ रहे हैं। इसमें एक पाकिस्तानी-पिता पुत्र भी हैं जो प्रति व्यक्ति 4 करोड़ रू. का शुल्क देकर इस पर्यटन पर गए थे।

पनडुब्बी का जल्दी मिल जाना बेहद जरूरी है क्योंकि इसमें ऑक्सीजन आपूर्ति सीमित हैं। इसमें ज्यादा से ज्यादा 50 घंटे की ऑक्सीजन होती है और यह पनडुब्बी रविवार सुबह लुप्त हुई थी इसलिए समय बहुत कम बचा है।

14 अप्रैल 1912 को अमावस की रात को विशालकाय क्रूज टाइटैनिक इग्लैंड के साउथैम्प्टन से न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुआ था। यह शिप बहुत बड़ा था। इसके निर्माताओं का कहना था कि यह डूब नहीं सकता हैं। इसमें इतनी आलीशान सुविधाएं थी जो उस समय के बड़े महंगे होटलों में भी नहीं थी। यह जहाज अपनी पहली ही यात्रा में हादसे का शिकार हो गया और नॉर्थ एटलैंटिक में कैनेडा के न्यूफाउण्डलैंड तट के पास डूब गया था। कड़ाके की ठंड में जहाज रात में एक आइसबर्ग से टकरा गया था। और टकराने के तुरंत बाद यह डूबना शुरु हो गया। यहां तक कि रैस्क्यू ऑपरेशन के लिए भी वक्त नहीं था। जहाज में 1500 यात्री सवार थे। यह महासागर में 13000 फीट गहराई में डूब गया था और 1950 के दशक में इसके मलबे की खोज हुई थी।

टाइटैनिक और इसमें बची खुची कीमती वस्तुएं हमेशा से जनता की रूचि का विषय रही हैं जैसे कीमती शराब से लेकर शानदार क्रॉकरी व कटलरी तक। एक ''टाइटैनिक कम्युनिटी'' भी है खासकर यूरोप व अमेरिका में, जो जहाज से जुड़ी नई जानकारी और जहाज में सवार लोगों के वंशजों से संबंधित

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'योग की लोकप्रियता का श्रेय भाजपा सरकार को भी'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जून। नवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की योग को लोकप्रियता दिलाने के लिए ट्विटर पर धन्यवाद किया। जिस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार को भी श्रेय दिया जाना चाहिए।

- **अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कांग्रेस ने योग की लोकप्रियता के लिए पं. नेहरू को श्रेय दिया तो थरूर ने ऐसे जवाब दिया।**

कांग्रेस ने नेहरू की शीर्षासन करते हुए तस्वीर शेयर की और कहा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हम पंडित नेहरू का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने योग को लोकप्रियता दिलाने में अहम् भूमिका निभाई और इसे राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बताया। इस पर प्रतिक्रिया करते

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एन.सी.पी., डी.एम.के., सी.पी.एम., सी.पी.आई., आर.जे.डी., जे.डी. (यू), जे.एम.एम., आर.एस.पी. व शिव सेना, कांग्रेस को अपने अस्तित्व के लिये खतरा नहीं मानते

पर, तृणमूल, सपा व आप, कांग्रेस को अपने प्रभाव क्षेत्र में खास प्रतिस्पर्धी समझते हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जून। इससे पहले कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सतत प्रयास 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को चुनौती देने लायक ठोस रूप और आकार ग्रहण कर सके अधिकांश गैर एन.डी.ए. विपक्षी दलों की 23 जून को पटना में होने वाली पहली औपचारिक मीटिंग में कई मोड़ आते जा रहे हैं।

जहां विपक्षी दलों का पहला और प्रधान उद्देश्य 2024 में भाजपा को सत्ता में आने से रोकना होना चाहिये ताकि देश के लोकतांत्रिक ढांचा तथा संविधान सुरक्षित रह सकें तथा रोजगार सृजन के लिये जरूरी-अर्थव्यवस्था का पुनरूद्धार तथा ग्रोथ की वापसी हो सके, वहीं कुछ पार्टियां अपने राजनैतिक आधार को विस्तार देने में ज्यादा रूचि दिखाती प्रतीत हो रही है तथा उन्हें अपनी सीमित पहुंच के नकारात्मक नतीजे को ध्यान में रखने की फिक्र ही नहीं दिखाई दे रही है। पर्यवेक्षकों और राजनैतिक विशेषज्ञों का कहना है कि नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी

- **तृणमूल, वामपंथियों व कांग्रेस को बंगाल में ''एक इंच'' भूमि भी नहीं देना चाहती। ममता बनर्जी के के लिये कांग्रेस व वामपंथी दल ज्यादा बड़ा खतरा हैं, बनिस्पत भाजपा के।**
- **आप मानती है, उसे कांग्रेस की कीमत पर अपने विस्तार की सोचना जायज है, पर, उसे विपक्ष की एकता का हिस्सा भी रहना है।**
- **सपा को यह ''विश्वास'' है कि, वो अकेले ही भाजपा को हरा लेगी यू.पी. में तथा उसे किसी पार्टी से इस बारे में सहयोग नहीं करना।**
- **यह भी सच है, इन तीनों पार्टी के नेताओं ने कभी-न-कभी परोक्ष या स्पष्ट रिश्ते रखे हैं भाजपा से।**
- **अभी काफी उठक-पटक होगी पटना में, नीतीश द्वारा प्रस्तावित विपक्ष की एकता के नारे को मूर्त रूप अख्तियार करने में।**

(एन.सी.पी.), द्रमुक, माकपा, राजद, जद (यू), झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिव सेना (यूटी) तथा आर.एस.पी. अपने अस्तित्व या लोगों पर अपने प्रभाव के मामले में कांग्रेस को एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं ले रही हैं किन्तु आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी, कांग्रेस को अपनी क्षेत्र व जनाधार के लिये संभावित खतरे के रूप में ले रही है। आप इस बात पर जोर देती दिखाई दे रही है कि उसे दोनों काम करने दिये जाये-वह कांग्रेस की कीमत पर अपना विस्तार भी करती रहे तथा भाजपा का सामना करने वाले विपक्षी मोर्चे का हिस्सा भी बनी रहे। तृणमूल कांग्रेस चाहती है कि पश्चिम बंगाल पर उसका नियंत्रण बना रहे तथा वह कांग्रेस या माकपा को वहां अपना राजनैतिक प्रभाव न बनाने दे। वहीं समाजवादी पार्टी अभी भी यह मान कर चल रही है कि वह अपने बलबूते पर भाजपा का सामना कर सकती है तथा वह सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को पैर जमाने लायक जमीन भी नहीं देना चाहती।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप पूरी दृढ़ता के साथ इस बात पर जोर दे रही है कि कांग्रेस सबसे पहले अध्यादेश के मुद्दे पर अपना रूख स्पष्ट करे। उसने यह जता भी दिया है कि वह 23 जून की विपक्षी दलों की मीटिंग में इस मुद्दे पर कांग्रेस से सवाल करेगी। आप, कांग्रेस को दिल्ली या पंजाब में कोई जगह देना नहीं चाहती, जबकि वह स्वयं राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में अपने कदम जमाने की कोशिश कर रही है। इसी प्रकार,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बाघिन रिद्धि ने तीन शावकों को जन्म दिया

सवाई माधोपुर 21 जून (निस)। सवाई माधोपुर के रणथम्भौर नैशनल पार्क में एक बार फिर से खुशखबरी आई है। इस बार रणथम्भौर की बाघिन टी-124, रिद्धि ने तीन शावकों को जन्म दिया है। जिसे लेकर वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर है।

- **वन विभाग को पर्यटकों व टूर गाइड्स ने यह जानकारी दी। उन्होंने बाघिन को अपने शावकों को मुंह में दबाकर शिफ्टिंग करते देखा था। रणथंभौर में अब 76 बाघ-बाघिन हो गए हैं।**

बुधवार सुबह की पारी में जंगल सफारी पर गए पर्यटकों को रणथम्भौर के ज़ोन तीन में बाघिन रिद्धि टी -124 तीन शावकों के साथ नज़र आई। बाघिन

(शेष पृष्ठ 5 पर)